(ख) क्या ये निर्यात अनुमानित निर्यात से कम हैं ;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) इन उपक्रमों के उत्पादन और निर्यात क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) से (ग) वर्ष 1991–93 के दौरान सरकारी क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों द्वारा किए गए निर्यात का ब्यौरा दिनांक 23 फरवरी, 1994 को सभा पटल पर रखे गये लोक उद्यम सर्वेक्षण, 1992–93 के खण्ड–1 में विवरण संख्या 24 में दिया गया है। इस विवरण से सरकारी उद्यमों की निर्यात आय में बढ़ती हुई प्रवृत्ति का पता चलता है। कुल मिला कर सरकारी उद्यमों के लिए विशेष रूप से निर्यात लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जाते हैं हालांकि प्रमुख उद्यम अग्रिम रूप से लक्ष्यों का अनुमान लगा लते हैं जिनकी प्राप्ति राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कारणों पर निर्भर करती है और कभी-कभी ये कारण उद्यम विशेष के नियंत्रण के बाहर होते हैं।

(घ) सरकारी क्षेत्र के कुछ उपक्रम निर्यात को बढ़ावा देने के प्रयोजन के लिए चयनात्मक रूप से विदेशी कम्पनियों के साथ आबकारी प्रबन्ध बाई-बैक प्रबन्ध तथा संयुक्त उद्यम जैसे नए प्रबन्ध कर रही है ।

Poor performance of HMT, Bangalore

428. SHRI G. Y. KRISHNAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the one-time high profit-making public sector undertaking, HMT, Bangalore, has recorded a dismal performance in 1993-94 with a massive net loss of Rs. 117.26 crore;

(b) if so, the reasons for HMT's poorest performance in the last 4 decades of its existence;

(c) whether any plan has been formulated to improve its performance; and;

(d) if so, the broad features thereof and if not, how it is proposed to prevent the HMT from slipping into the red?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SMT. KRISHNA SAHI): (a) The estimated net loss of HMT for 1993-94 is Rs. 117.26 crores.

(b) The reasons for poor performance of the company are stiff competition, product obsolescence and high overheads.

(c) and (d) Government has allowed HMT to convert its individual business groups into joint-venture companies.

मध्य प्रदेश में सरकारी क्षेत्र के उपक्रम

429. **श्री अजीत जोगी** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में चल रहे सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के स्थल-वार नाम क्या-क्या हैं ;

(ख) इन उपक्रमों में से प्रत्येक में किए गए पूंजी निवेश की कुल राशि क्या है ; और

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान इनमें से प्रत्येक उपक्रम को हुए लाभ और घाटे का ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) से (ग) 31–3–94 की स्थिति के अनुसार सरकारी क्षेत्र के ऐसे 6 उद्यम थे जिनका पंजीकृत कार्यालय मध्य प्रदेश राज्य में है । उनका स्थान उनमें किया गया निवेश और पिछले तीन वर्षों के दौरान उनके द्वारा अर्जित लाभ अथवा उठाई गई हानि का ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है ।

विवरण

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के नामों की स्थिति, तथा उनमें हुए निवेशों, तथा उनमें से प्रत्येक को हुए लाभ हानि का ब्यौरा

(लाख रुपयों में)

क्रम सं०	सरकारी क्षेत्र के उपक्रम का नाम	स्थान	31-3-1993 की स्थिति के अनुसार निवेश	लाभ/हानि		
				1992-93	1991-92	1990-91
1.	फैरो स्क्रेप निगम लिमिटेड	भिलाई	945	847	672	569
2.	मध्य प्रदेश अशोक होटल निगम लिमिटेड	भोपाल	341	*(-)33	(-)33	(-)33
3.	नेपा लिमिटेड	नेपानगर	8734	(-)442	219	620
4.	नार्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड	सिंगरौली कोलेरी	200752	19072	3424	2258
5.	नेटेका (मध्य प्रदेश) लिमिटेड	इदौर	23992	(-)6618	(-)2586	(-)1978
6.	साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड	बिलासपुर	125000	13340	2561	(-)2079

* 1990-91 के आंकड़े सैद्धांतिक रूप से दिए गए हैं क्योंकि सूचना केवल 1990-91 के लिए उपलब्ध थी ।